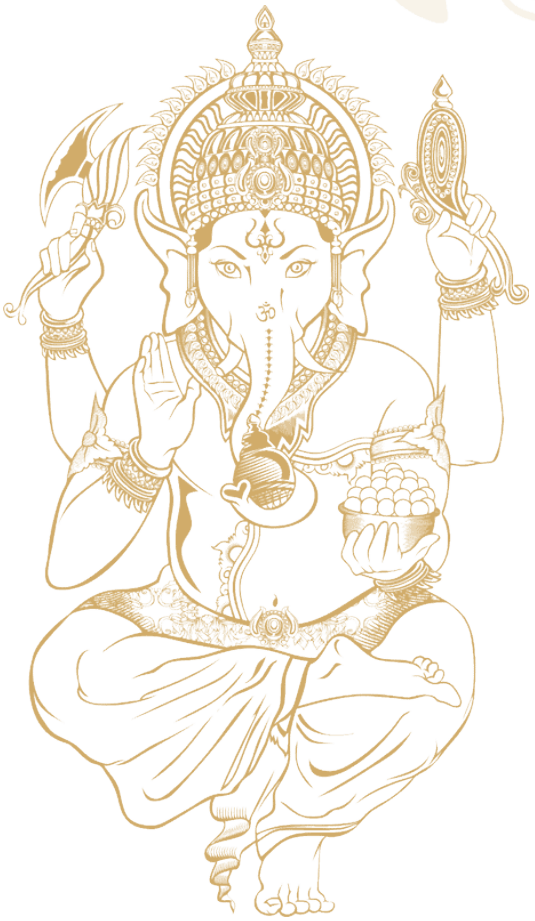

12

08 Jun 1973

07:03 AM

Meerut

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/06/1973**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**07:03:00 घंटे**
इष्ट	04:17:10 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:43:48 घंटे
वेलान्तर	00:01:06 घंटे
साम्पातिक काल	23:48:59 घंटे
सूर्योदय	05:20:07 घंटे
सूर्यास्त	19:16:24 घंटे
दिनमान	13:56:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	23:38:23 वृष
लग्न के अंश	16:31:49 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वज्र
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टू-टूंगर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

राजेश जोशी

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	16:31:49	318:01:30	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			वृष	23:38:23	00:57:23	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	25:51:32	13:06:36	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	27:57:16	00:40:41	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध			मिथु	13:18:04	01:40:14	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	स्वराशि
गुरु	व		मक	18:31:59	00:01:33	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र			मिथु	09:16:30	01:13:26	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि		अ	वृष	29:40:26	00:07:47	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
राहु	व		धनु	15:23:32	00:03:11	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	नीच राशि
केतु	व		मिथु	15:23:32	00:03:11	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	नीच राशि
हर्ष	व		कन्या	25:35:56	00:00:58	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	---
नेप	व		वृश्चि	12:16:07	00:01:35	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
प्लूटो	व		कन्या	08:11:13	00:00:07	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	03:30:37	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:29:26

लग्न-चलित

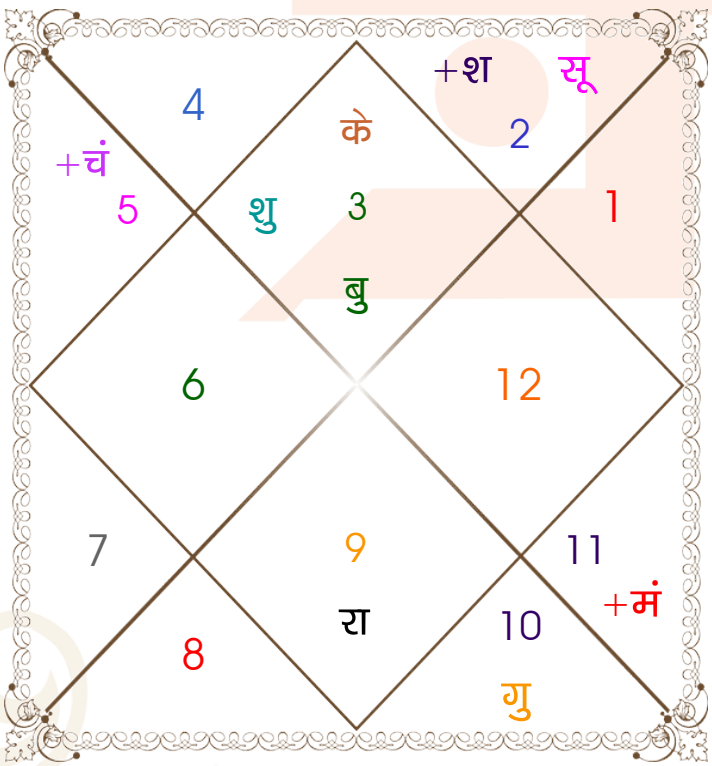

चन्द्र कुंडली

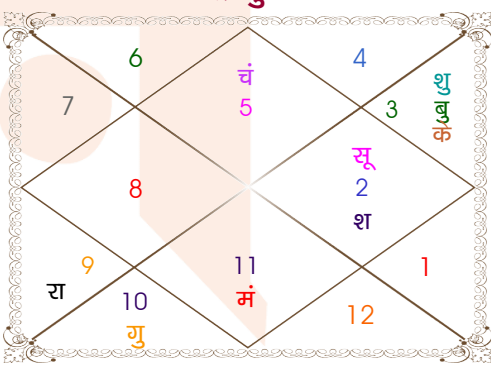

नवमांश कुंडली

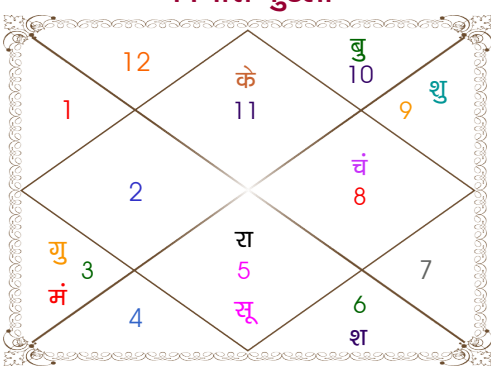

राजेश जोशी

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 1 वर्ष 2 मास 16 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
08/06/1973		24/08/1974		24/08/1980		24/08/1990		24/08/1997	
24/08/1974		24/08/1980		24/08/1990		24/08/1997		25/08/2015	
	00/00/0000	सूर्य	12/12/1974	चंद्र	24/06/1981	मंगल	20/01/1991	राहु	06/05/2000
	00/00/0000	चंद्र	13/06/1975	मंगल	23/01/1982	राहु	08/02/1992	गुरु	30/09/2002
	00/00/0000	मंगल	18/10/1975	राहु	25/07/1983	गुरु	14/01/1993	शनि	06/08/2005
	00/00/0000	राहु	11/09/1976	गुरु	23/11/1984	शनि	23/02/1994	बुध	23/02/2008
	00/00/0000	गुरु	30/06/1977	शनि	24/06/1986	बुध	20/02/1995	केतु	13/03/2009
	00/00/0000	शनि	12/06/1978	बुध	24/11/1987	केतु	19/07/1995	शुक्र	12/03/2012
	08/06/1973	बुध	19/04/1979	केतु	24/06/1988	शुक्र	17/09/1996	सूर्य	04/02/2013
बुध	24/06/1973	केतु	25/08/1979	शुक्र	23/02/1990	सूर्य	23/01/1997	चंद्र	06/08/2014
केतु	24/08/1974	शुक्र	24/08/1980	सूर्य	24/08/1990	चंद्र	24/08/1997	मंगल	25/08/2015

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
25/08/2015		25/08/2031		24/08/2050		25/08/2067		24/08/2074	
25/08/2031		24/08/2050		25/08/2067		24/08/2074		00/00/0000	
गुरु	12/10/2017	शनि	27/08/2034	बुध	20/01/2053	केतु	21/01/2068	शुक्र	24/12/2077
शनि	24/04/2020	बुध	07/05/2037	केतु	17/01/2054	शुक्र	22/03/2069	सूर्य	24/12/2078
बुध	31/07/2022	केतु	15/06/2038	शुक्र	17/11/2056	सूर्य	28/07/2069	चंद्र	24/08/2080
केतु	07/07/2023	शुक्र	15/08/2041	सूर्य	24/09/2057	चंद्र	26/02/2070	मंगल	24/10/2081
शुक्र	07/03/2026	सूर्य	28/07/2042	चंद्र	23/02/2059	मंगल	25/07/2070	राहु	24/10/2084
सूर्य	24/12/2026	चंद्र	26/02/2044	मंगल	20/02/2060	राहु	12/08/2071	गुरु	25/06/2087
चंद्र	24/04/2028	मंगल	06/04/2045	राहु	09/09/2062	गुरु	18/07/2072	शनि	24/08/2090
मंगल	31/03/2029	राहु	11/02/2048	गुरु	14/12/2064	शनि	27/08/2073	बुध	08/06/2093
राहु	25/08/2031	गुरु	24/08/2050	शनि	25/08/2067	बुध	24/08/2074		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 1 वर्ष 2 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।